WPI में संशोधन के लिये कार्यदल का गठन

drishtiias.com/hindi/printpdf/government-revamps-wpi-revision-team

चर्चा में क्यों?

वर्तमान **थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index - WPI)** शृंखला में संशोधन के लिये सरकार ने एक कार्यदल का गठन किया है।

संशोधन की आवश्यकता क्यों है?

- ज्ञातव्य है कि WPI का वर्तमान आधार वर्ष (2011-12) को मई 2017 में लागू किया गया था।
- वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस शृंखला का आधार वर्ष बहुत पुराना है और वर्ष 2011-12 से अब तक हमारी अर्थव्यवस्था में कई महत्त्वपूर्ण संरचनात्मक परिवर्तन हो चुके हैं, जिनके कारण आधार वर्ष को संशोधित करना आवश्यक है।

संशोधन के विचारार्थ विषय

(Terms of Reference-ToR)

कार्यदल के विचारार्थ विषयों में निम्नलिखित विषय शामिल हैं:

- **थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index - WPI)** और **निर्माता मूल्य सूचकांक (Producer Price Index - PPI)** के लिये सर्वाधिक न्यायोचित आधार वर्ष का निर्धारण करना।
- वर्तमान WPI शृंखला की **कमोडिटी बास्केट (Commodity Basket)** की समीक्षा करना और उसमे अब तक हुए आर्थिक परिवर्तनों के आधार पर कुछ वस्तुओं को जोड़ने या घटाने का सुझाव देना।
- वर्तमान **मूल्य संग्रह प्रणाली (Price Collection System)** की समीक्षा करना और उसमे सुधार का सुझाव देना।
- WPI और PPI की गणना हेतु नई पद्धति की खोज करना।

कार्यदल से संबंधित अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु

- सरकार द्वारा गठित यह कार्यदल **नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद** की अध्यक्षता में कार्य करेगा।

- इसमें **केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (Central Statistical Office), वित्त मंत्रालय (Ministries of Finance), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (Petroleum and Natural Gas), कृषि विभाग (Department of Agriculture)** और **उपभोक्ता मामलों के विभाग (Department of Consumer Affairs)** के सदस्य भी शामिल होंगे।
- **कार्यदल में शामिल अन्य सदस्य:**
    - भारतीय रिज़र्व बैंक का एक प्रतिनिधि
    - सौम्य कांति घोष, SBI समूह की मुख्य अर्थशास्त्री
    - सुरजीत भल्ला, PMEAC के पूर्व सदस्य
    - शमिका रवि, PMEAC की सदस्य
    - धर्मकृती जोशी, क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री
    - नीलेश शाह, कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक
    - इंद्रनील सेनगुप्ता, बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच के सह-प्रमुख और अर्थशास्त्री

थोक मूल्य सूचकांक :

- यह भारत में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला मुद्रास्फीति संकेतक (Inflation Indicator) है।
- इसे वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (Ministry of Commerce and Industry) के आर्थिक सलाहकार कार्यालय (Office of Economic Adviser) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- इसमें घरेलू बाज़ार में थोक बिक्री के पहले बिंदु पर किये जाने-वाले सभी लेन-देन (First point of bulk sale) शामिल होते हैं।
- इस सूचकांक की सबसे बड़ी आलोचना यह है कि आम जनता थोक मूल्य पर उत्पाद नहीं खरीदती है।
- वर्ष 2017 में WPI के लिये आधार वर्ष को वर्ष 2004-05 से संशोधित कर वर्ष 2011-12 कर दिया गया है।

स्रोत: द हिंदू